I.M.S. TODAY

AI ki Duniya

● Arya Kumari

AI has impacted almost every aspect of our lives and has now become an important part of our daily routines. AI has accelerated our way of thinking with the help of tools and service providers like ChatGPT, Claude AI, Copilot, Gamma, and many more. AI expands our knowledge based on our visualization and imagination. It analyzes large amounts of data to detect any kind of anomalies. AI has given rise to new possibilities in every field, making tasks easier. In another way, AI continuously evolves our lives by providing quick responses to our queries. In this manner, AI has become an important resource that helps fulfil our needs efficiently.

Recent AI developments

Deep Learning (DL) AI in Healthcare

Deep learning has impacted the medical field by analyzing abnormalities like tumours and cancer from X-rays, CT scans (computed tomography), and MRI scans. It is also used for the early detection of Alzheimer's disease and diabetic retinopathy with high accuracy. In the pharmaceutical industry, AI processes patients' medical histories to figure out the best medicines and dosages to prescribe. It plays a crucial role in assisting pathologists and radiologists in generating reports and analyzing images for better diagnosis. Deep learning algorithms can simplify unstructured complex data quickly and precisely, collecting large quantities of patient records without human intervention. With its ability to rapidly analyze vast amounts of data, deep learning helps healthcare providers by eliminating the need for laborious tasks.

Automated Journalism

The media industry is one of the largest in our country, and AI has revolutionized it by reshaping content creation and enhancing user experiences. Automated journalism is on the rise, producing news articles, stories, and videos through computer programs rather than human reporters. This allows for efficiency and cost-cutting, which many news organizations require. Automated journalism can generate large volumes of information at faster speeds. News outlets using automated journalism need less human input, meaning reduced expenses on salaries or wages, while producing more content in less time with minimal budgets.

However, according to a 2017 Nieman Report, "No automated software or amateur reporter will ever replace a good journalist."

आईएमएस का सीसीएसयू के 14 मेडल पर कब्जा

राज्यपाल आनंदी बेन ने दिए विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल

▶ पांच को गोल्ड, 4 को सिलवर और 5 को मिले ब्रांज पदक   ▎ जनरल वी.के. सिंह ने विशेष समारोह में दिए मेडल और पुरस्कार

आईएमएस गाजियाबाद ने बनाया एक नया रिकार्ड

आईएमएस न्यूज सर्विस

गाजियाबाद। आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) लगातार नए कीर्तिमान बना रहा है। इस वर्ष भी संस्थान के लगभग सभी कोर्सेज में 14 छात्र- छात्राओं ने चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त कर यूनिवर्सिटी टॉप किया जिसमें 5 स्वर्ण, 4 रजत एवं 5 कांस्य पदक शामिल रहे। यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान पर रहे छात्र- छात्राओं को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन ने गोल्ड मेडल से पुरस्कृत किया।

उधर आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) में संस्थान के 35वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष समारोह में मुख्य अतिथि जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को गोल्ड, सिलवर, ब्रांज पदक और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यही नहीं, इस अवसर पर आईएमएस ने यूजी कोर्स के तीनों साल और पीजी कोर्स के दोनों साल के कैंपस टॉपरों को गोल्ड, सिलवर, ब्रांज पदक पुरस्कार किया। इस विशेष समारोह में आईएमएस गाजियाबाद समूह के महासचिव राकेश छारिया और कैंपस के निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। ज्ञात हो कि पिछले कई सालों से संस्थान के छात्र- छात्राएं लगातार यूनिवर्सिटी टॉप करते आ रहे हैं। बीसीए की हिमांशी वार्ष्णेय, बीजेएससी की कीर्ति सैनी, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी की लक्ष्मी चिरमानी, बीएससी माइक्रोबायोलॉजी की मौली वैश एवं मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस

● मोक्षा त्यागी

डॉ. विजेंद्र सिंह चौहान आईएमएस की तैयारी कराने वाली कोचिंग दृष्टि के शिक्षक, मॉक इंटरव्यू पैनल के सदस्य और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हैं। डॉ. विजेंद्र सिंह चौहान आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आईएमएस टुडे रिपोर्टर मोक्षा त्यागी को डॉ. विजेंद्र सिंह चौहान का इंटरव्यू लेने का अवसर मिला। इस दौरान उनसे विभिन्न मुद्दों पर काफी विस्तार से बातचीत हुई। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश:

यूपीएससी में चयन के लिए विशेष रणनीति जरूरी

यूपीएससी भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है, इस परीक्षा की तैयारी के लिए शुरूआती चरण में छात्रों को किन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिए?

जब अभ्यर्थी इस परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसे यह समझना चाहिए कि क्या वास्तव में वह इस परीक्षा को देना चाहता है या नहीं। अगर अभ्यर्थी ने यह फैसला कर ही लिया है कि उसे परीक्षा देनी है तो क्या यह फैसला उसका स्वतंत्र और आजाद फैसला है। अभ्यर्थी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कहीं सोशल मीडिया, घरवालों या उसके जिले में किसी अधिकारी का चयन हुआ हो, इन सब चीजों के दबाव में परीक्षा को देने का फैसला न करे। जब अभ्यर्थी यूपीएससी की तैयारी की जिंदगी से भी बड़ा मान लेते हैं तब इसका दबाव आनुपातिक रूप से ज्यादा हो जाता है। अंततः यूपीएससी एक नौकरी की भर्ती परीक्षा है। यूपीएससी से केवल एक सरकारी नौकरी मिलती है जिसकी 75 से 80 हजार तनख्वाह होती है। हमें यूपीएससी को इसी दृष्टिकोण से देखना चाहिए।

प्रिलिम्स और मेन्स की तैयारी के बीच मुख्य अंतर क्या है और कैसे छात्रों को अपनी रणनीति बनानी चाहिए?

प्रिलिम्स और मेन्स की तैयारी के बीच का अंतर समय के साथ बदला है। प्रिलिम्स को पहले स्क्रीनिंग परीक्षा के रूप में देखा जाता था और यूपीएससी की तैयारी करने का मूल मतलब मेंस की तैयारी करना होता था। प्रिलिम्स की तैयारी केवल उतनी करनी थी जिससे आप एक महत्वपूर्ण सीमा तक पहुंच सकें। पिछले दस साल में सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट (सीसैट) के आने के बाद स्वरूप बदला है। अब अभ्यर्थियों को एकीकृत तैयारी करनी होती है। आज के समय में प्रिलिम्स की महत्ता बढ़ गई है। पहले ऐसा होता था कि अगर किसी का प्रिलिम्स एक बार निकला तो वह हर बार निकलता था, अब ऐसा नहीं है। मैं ऐसे कई छात्रों को जानता हूं जो इस बार इंटरव्यू दे रहे हैं लेकिन पिछली बार उनका प्रिलिम्स भी नहीं निकला था। अभ्यर्थियों को प्रिलिम्स पर अतिरिक्त ध्यान की आवश्यकता है लेकिन मेंस की परीक्षा के साथ भी कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यूपीएससी की तैयारी के दौरान अभ्यर्थियों से आमतौर पर क्या गलतियां होती हैं?

10 साल से मैं यह देख रहा हूं कि विद्यार्थी अपनी तैयारी नहीं कर रहे होते। अभ्यर्थी, पर्यावरण में जो नया हो रहा है, उसे करना शुरू कर देते हैं। अगर किसी अध्ययन सामग्री का बोलबाला हो गया तो अभ्यर्थी उसी अध्ययन सामग्री को पढ़ना शुरू कर देते हैं। उसके बाद किसी अन्य अध्ययन सामग्री को पढ़ने लगते हैं। अभ्यर्थियों की कोई खुद की रणनीति नहीं होती जो सिर्फ उन्हीं के लिए है। विद्यार्थियों को समझना पड़ेगा कि हर विद्यार्थी अलग होता है। सभी का व्यक्तित्व अलग है। इसलिए उन्हें अपनी विशिष्ट रणनीति बनाने की आवश्यकता है। अभ्यर्थियों को यह समझना चाहिए कि उनका चयन केवल उनकी मेहनत पर निर्भर नहीं करता है। उनका चयन उनके परिश्रम के अतिरिक्त उनके विशेषाधिकार और अभाव पर भी निर्भर करता है।

अभ्यर्थियों द्वारा की हुई गलतियों को कैसे टाला जा सकता है?

अभ्यर्थी किस सामाजिक श्रेणी में आता है। उसकी स्कूली शिक्षा कहां से हुई है, उसके पास किस तरीके के संसाधन उपलब्ध हैं, ये सभी बातें मायने रखती हैं। अगर कोई गाजियाबाद के एक सरकारी स्कूल का विद्यार्थी रहा है और आप अपनी तैयारी के दौरान उसी रणनीति को अपनाते हैं जो कि एक संस्कारी स्कूल का विद्यार्थी अपना रहा है तो आप गलत हैं। अपनी ताकत और कमजोरी को जानिए और उसके आधार पर आप अपनी विशिष्ट रणनीति बनाएं। आमतौर पर विद्यार्थी ऐसा नहीं करते। यही उनके असफल होने की प्रमुख वजह बनती है। अंततः 10 लाख में से 9 लाख 99 हजार अभ्यर्थी असफल होने वाले हैं इसलिए प्लान-बी जरूरी है। अगर आपके पास प्लान-बी तो यूपीएससी की परीक्षा जो प्लान-ए है, वह बेहतर से होगी।

सफल और असफल छात्रों के बीच के मानसिक और भावनात्मक गुण अलग-अलग होते हैं?

आमतौर पर यह गलतफहमी कि चयनित हुए अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व, गुणात्मक ढंग से जिनका चयन नहीं हुआ है उनसे अलग होता है यह बात सही नहीं है। यह बस मोटिवेशनल स्पीकर्स द्वारा लोगों के दिमाग में भरी हुई बात है। मैं हर साल ऐसे विद्यार्थियों को देखता हूं जिनका चयन नहीं हुआ लेकिन वह ज्यादा मेहनती थे और उनका व्यक्तित्व ज्यादा अच्छा था। टॉपर जैसा व्यक्तित्व लाने की कोशिश न करें। उसका अपना एक अलग व्यक्तित्व है, संयोग से वह टॉपर है। अपने व्यक्तित्व पर यकीन कीजिए। आपके व्यक्तित्व में कोई कमी नहीं है।

Empowering Students Through Management Studies

As Principal of Indirapuram Public School, Pratap Vihar, it gives me great pleasure to discuss the transformative role that management studies can play in the lives of our students. In a world that is becoming increasingly complex and competitive, it is essential to equip our children with the skills necessary to thrive, both personally and professionally. Management studies serve as an important tool in this regard, offering students not only knowledge but practical skills that can guide them throughout their lives.

Management studies play an essential role in shaping the holistic development of school children. By fostering critical thinking, leadership, discipline, collaboration, and an entrepreneurial mindset. It helps equip students with the tools they need to navigate life's challenges and opportunities. It is our mission, at Indirapuram Public School, to ensure our students not only excel academically but also grow into capable, confident, and forward-thinking individuals who can make meaningful contributions to society.

Growing Threat of Cybercrime in the Digital Age

Bhoomi Bansal

New Delhi: In the rapidly advancing digital world, cybercrime has evolved into a complex and multi-faceted threat. With more people relying on the internet for banking, communication, and business transactions, cybercriminals are increasingly exploiting vulnerabilities.

These crimes target individuals, corporations, and even governments, posing significant risks to privacy, data security, and financial integrity. Today's cybercrime landscape includes not only traditional hacking methods but also sophisticated techniques that leverage new technologies like artificial intelligence (AI) and deepfakes. This article delves into some of the latest trends in cybercrime and recent notable cases that demand public attention.

Latest Major Methods of Cybercrime:

Voice Duplication (Deepfake Audio):

One of the most alarming innovations in cybercrime is the use of AI to duplicate a person's voice with extreme accuracy. Cybercriminals use this technology to impersonate trusted individuals, often in phone calls to deceive victims. In such scams, a person may receive a call from someone whose voice resembles that of a family member, friend, or colleague, requesting urgent financial assistance or sensitive information. These deepfake voice technologies blur the line between reality and fraud, making it difficult for the victim to detect the scam.

Phishing Attacks 2.0:

While phishing has been a long-standing cybercrime, newer versions are far more sophisticated. Attackers are now using personalised messages, built using data from social media and online interactions. These messages seem highly legitimate, tricking users into clicking on malicious links or providing sensitive details. This technique is enhanced through AI to better mimic language patterns, leading to increased trust from victims.

Ransomware as a Service (RaaS):

In the past, ransomware attacks were carried out by highly skilled hackers. Today, however, cybercriminals offer ransomware as a service on the dark web. This means even less tech-savvy criminals can purchase the software to launch attacks, making ransomware more widespread. In these attacks, hackers encrypt critical data and demand payment in cryptocurrency to restore access.

IoT Device Hijacking:

With the proliferation of smart devices (IoT), cybercriminals are now targeting home appliances, security cameras, and even connected cars. Once these devices are hijacked, they can be used to spy on the user, steal sensitive data, or launch Distributed Denial of Service (DDoS) attacks on larger networks.

Recent Notable Cybercrime Cases

Voice Duplication in CEO Fraud - A $35 Million Scam

In 2023, a German company fell victim to a massive cybercrime involving voice duplication. Scammers used AI to clone the voice of the company's CEO and instructed employees to transfer $35 million to an offshore account. The scam succeeded due to the convincing nature of the duplicated voice, highlighting the risks of deepfake audio.

Colonial Pipeline Ransomware Attack

One of the largest and most impactful ransomware attacks in history, the Colonial Pipeline attack, led to a week-long shutdown of fuel supply across the East Coast of the United States. Hackers from the group DarkSide gained access to the company's IT systems and demanded nearly $4.4 million in ransom to restore operations. The event triggered a national emergency and exposed vulnerabilities in critical infrastructure.

Crypto.com Hack

Hackers stole more than $30 million from Crypto.com, one of the world's largest cryptocurrency platforms. The attackers bypassed two-factor authentication to gain access to over 400 user accounts, withdrawing Bitcoin and Ethereum. The case underscored the need for stronger security measures in digital currency platforms.

IoT Botnet Attack on Financial Institutions

A botnet of compromised IoT devices was used to launch a massive DDoS attack on several financial institutions in Europe. The attack caused temporary service disruptions and revealed how vulnerable smart devices are to hijacking. Financial losses were significant, and the attack prompted discussions about better regulation and security for IoT devices.

AI-Powered Phishing Attack Targets Tech Executives

In early 2024, a series of sophisticated phishing attacks targeted top executives in Silicon Valley. Using AI-generated emails, hackers convinced several executives to reveal private login credentials. The incident revealed how advanced AI can personalise attacks, making them harder to distinguish from legitimate communication.

Social Media Impersonation and Fraud

Social media is rife with impersonation schemes. Attackers create fake accounts mimicking public figures, celebrities, or business leaders to solicit money or spread misinformation. In some cases, the impersonated accounts are used to damage reputations or commit financial fraud. Cybercrime has evolved from simple phishing emails to highly sophisticated attacks involving AI, ransomware, and IoT vulnerabilities. As these threats continue to grow in scale and complexity, it is crucial for individuals, businesses, and governments to stay informed and adopt more robust security measures. Recent cybercrime cases, like the deepfake voice scam and ransomware attacks, serve as a stark reminder of the dangers in our increasingly connected world. Only through continuous vigilance and adaptation can we hope to combat the rising tide of cybercrime.

Tree Plantation on GMA's 42nd founder's day

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association has organized Tree Plantation on GMA's 42nd founder's day on 25th September,2024 at Ram ChameliChadha Girls College, Ghaziabad.

The plantation was done by GMA's founder member Sri IC Agrawal, Sri VN Grover, and Dr. NK Dhooper. GMA's President Mr. SK Tiwari, Sr. Vice President, DR TR Pandey, Secretary CA Anil Agrawal, Imm. Past President, Mr. Dharmendra Singh, Ex Director, Mr. Rahul Agrawal, EC member and Dr. Amita Srivastava were present during tree plantation. A sticker for GMA member tilted as "Proud to be a member" was also released on this occasion.

TECHNOHACK- 2024 Organized

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association in association with INMANTEC, Ghaziabad has organized an Event "TECHNOHACK- 2024" at INMANTEC. The theme of the event was "Empowering the future Through Technology". This event was an exciting opportunity to celebrate innovation, recognize outstanding talent and the participant's expertise and insights had greatly contributed to its success. This event attracted 390 students of Ghaziabad, Greater Noida, Noida and group of industry professionals. The activities included Blind coding, Keyboard tricks, IT Quiz, Ninza coding, Project spark, web ping, Bug bowl, Game Arena. All activities were judged by panelist and winners were awarded prizes.

SCI-TECH WORLD

Bhoomi Bansal

New Delhi: Science and technology are rapidly transforming the world around us, creating new possibilities that directly and indirectly shape our future. Staying connected to these innovations isn't just about being informed—it's about seeing how these advancements can impact your life in surprising ways.

Recent Innovations in Science and Technology

At the 24th China International Industry Fair, futuristic tech like robotic bionic fish and next-gen drones are setting the stage for what's to come. Imagine a bionic fish that can blend into schools of real fish, aiding in ocean research and even deep-sea exploration. Then there's the E6 drone, with vertical take-off capabilities, used for emergency response and public safety. These technologies may seem far from our daily lives, but they're paving the way for future careers in fields like robotics, marine biology, or environmental tech—areas filled with opportunities for anyone eager to dive into innovative work.

On the flip side, the Amazon FACE project in Brazil is a world-first experiment that hits closer to home, especially when climate change is a conversation many of us are tuned into. By studying how the Amazon reacts to rising CO2 levels, this research could shape climate policies that will affect us all. Whether you're into environmental science or just care about the planet's future, this kind of cutting-edge research is key to finding solutions to today's biggest global challenges.

These breakthroughs show that the future is full of potential—not just for those working in science but for anyone ready to explore how innovation can improve life for everyone.

Session on Cervical Awareness

Ghaziabad (IMS News Service): Ghaziabad Management Association has organized a session on "Cervical Awareness"on 23rd September,2024 at IMS, Ghaziabad. The speaker was Dr. Madhu Gupta, a renowned Gynecologist and trustee of Beautiful Tomorrow. The session was very informative and interactive. The participants were very curious to know about cervix and its intricacies. Participants showed keen interest in understanding how this dreaded disease can be prevented and detected. Dr. Gupta explained that cervical cancer is the only cancer which can be detected, prevented and has its vaccine available. Total 55 participants attended the session.

Session organized on KASERI: Knowledge Attitude Skill Efforts Reward Innovation

Ghaziabad (IMS News Service): Ghaziabad Management Association has organized a session on "KASERI (Knowledge Attitude Skill Efforts Reward Innovation)" at Mewar Group of Institutions, Ghaziabad. Speaker explained types of Knowledge: Docile, Positive, Negative, Extreme negative. Positive knowledge is Teaching, Educational, Medical, scientist, researchers, technocrats etc. While positive negative combined knowledge is about Judiciary, Advocates, audits, Inspection, Investigation etc. Negative knowledge is Intellectual Perversion and Terrorism. Aptitude, planning and application are the main focus area in Attitude. Skill here takes precedence over the theoretical Knowledge. Knowledge is actually a SCIENCE, Attitude a MIND SET, whereas Skill is an ART. Efforts must be focussed, Dedicated, Passionate, Consistent, Result oriented, timely, efficiently and smart. Results must be as Desired, planned and timely. Innovation with improvisation, creativity and new feature brings the best result.

राणा प्रताप स्कूल में गांधी जयन्ती का आयोजन

आईएमएस न्यूज सर्विस

गाजियाबाद। राणा प्रताप हायर सेकेंडरी स्कूल में 2 अक्टूबर 2024 को 155 वीं गांधी जयन्ती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम शिशौदिया ने महात्मा गांधी की फोटो पर माल्यार्पण किया।

प्रधानाचार्या ने इस अवसर पर गांधी जी के तीन बन्दर वाली कहानी सुनाते हुए कहा कि 'बुरा मत देखो', 'बुरा मत सुनो' और 'बुरा मत कहो' फिर उन्होंने गांधी जी द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी, गांधी जी के जीवन के अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य का वर्णन करते हुए अहिंसा को एक ऐसा शस्त्र बताया जिसके द्वारा समाज की बड़ी से बड़ी बुराई को समाप्त किया जा सकता है।

इसी क्रम में विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा कुछ कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें सर्वप्रथम छात्रों ने नमक सत्याग्रह व गांधी जी के जीवन परिचय को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्रों द्वारा गांधी जी के विचारों को तथा स्वच्छता से संबन्धित नाट्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि हमें अपने आस-पास को साफ-सुथरा रखना चाहिए।

Session on E-Waste: Awareness and Management Initiatives

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association has organized an Awareness Session on "E-Waste Awareness and Management Initiatives" at Shriram Pistons & Rings Limited, Meerut Road, Ghaziabad by E [co] work, Inclusive Recycling Foundation. They are the E-waste recycler duly approved by Government and CPCB. The session was focused on guiding the e-waste management compliances, rules and regulations set up by CPCB for electronic and electrical equipment manufacturers, and the bulk consumers of electronic equipment. They also shared their willingness to assist members in safely disposing of their electronic waste. It was also offered to conduct a physical inspection to help assess the value and provide the best possible guidance on disposal options. 20 participants from various industries attended the session and Mr. RajnishJhulka, ED Shriram pistons was the Chief Guest. The speaker was Mr. Anurag Kumar, GM, Eco works.

MDP on Neuro Linguistic Programming

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association has organized a MDP on LP- Neuro Linguistic Programming" (A Tool for Enhancing Productivity and Harmony) at Integrated Academy of Management & Technology (INMANTEC), Ghaziabad.

The topics - Reducing the intensity of unpleasant memories, Enhancing the intensity of pleasant memories, were nicely explained with the help of visualization. The examples of De-addiction, solving relationship issues, internal harmony and external harmony were also explained with the help of the workshop.

How one can diminish fear by anchoring. Rapport building enhances personal relationship and it can be enhanced by mirroring/pacing. Speaker also explained how NLP can improve one's ability to behave positively and constructively.

The workshop on visualization was conducted with the help of practicing by the participants. 18 participants attended full day MDP. The speaker was Dr. Mona Sahay, Prof at IPEM, Ghaziabad.

The Pager Incident: A Wake-Up Call for Phone Security in the Arab World

Mohd. Sameer

New Delhi: In today's hyperconnected world, mobile devices have become an integral part of our daily lives. The landscape of communication has shrunk, yet the vastness of the digital world continues to expose us to myriad cyber threats. A recent incident, dubbed the "Pager Incident," involving an outdated communication technology "the pager system" has sent shockwaves throughout the Arab world. This has raised alarming questions about the security of our mobile devices.

In July 2022, reports emerged that Israel's spy agency, Mossad, was utilizing Pegasus spyware to infiltrate the phones of Hezbollah officials. This sophisticated hacking operation allegedly enabled Mossad to access sensitive information, track locations, and even remotely activate cameras and microphones. The repercussions of this incident reverberated worldwide, creating a palpable sense of fear among citizens, particularly in Arab nations. A Lebanese citizen captured the sentiment perfectly: "Our phones are our private spaces; we must protect them." Amal, a resident of Beirut, expressed her anxiety, stating, "I'm constantly looking over my shoulder, worried that my phone is being tapped. It's unsettling, knowing that someone can access my personal life without my knowledge."

The Pager Incident echoes a similar crisis that shook India in July 2021, when investigations revealed that Pegasus spyware had been used on a wide array of targets, including government ministers, journalists, activists, and judges. In response, the Editor's Guild of India issued a statement emphasizing that such acts of surveillance equate journalism and political dissent with "terror," questioning how a constitutional democracy can survive in the face of such impunity.

According to CNN and Wired Report; The Pager incident is just one of many significant cybersecurity events in recent years. For instance:

In Year 2013: A data breach compromised 40 million credit and debit card accounts and 70 million customer records.

In Year 2014: IoT attack vectors led to notable breaches, including the Sony Pictures hack, which exposed sensitive corporate data.

In Year 2016: State-sponsored cyberattacks, notably during the U.S. presidential election, resulted in the Democratic National Committee (DNC) hack, exposing numerous emails and documents. Over 4 billion records were leaked that year.

In Year 2024: The rise of AI-powered attacks has automated and accelerated cyber threats, making defence efforts increasingly futile.

Governments worldwide must take proactive measures to address concerns surrounding phone security. The Pager Incident has awakened the Arab world to the critical importance of securing mobile devices. While fear and mistrust are understandable, they must be channelled into actionable demands for government intervention and enhanced individual precautions.

This incident has exposed vulnerabilities within communication systems, highlighting the urgent need for a comprehensive review of phone security policies and practices—not just in the Arab world but globally. By reclaiming our digital sovereignty through vigilance and informed action, we can foster a safer digital landscape for all.

The pandemic era highlighted the severity of cyber threats

- About 60% of mobile internet users felt more at risk of data theft during the pandemic.
- cyber-attack occurs every 39 seconds somewhere in the world.
- Ransomware attacks happen every 14 seconds globally.
- Over 75% of cyber-attacks begin with a scam email.
- By September 2023, 91% of companies worldwide had experienced at least one cyber-attack.
- By 2025, the cost of cybercrime is projected to reach USD 10.5 trillion globally.

While no phone is completely secure, individuals can take several precautions to minimize risks

- Use strong passwords and Two-Factor Authentication: This adds an extra layer of security to your accounts.
- Regularly Update Operating Systems and Apps: Keeping software up to date helps protect against vulnerabilities.
- Exercise Caution When Downloading Apps and Clicking Links: Be wary of unsolicited downloads or suspicious links.
- Use Encrypted Messaging Apps: These apps provide a secure means of communication.
- Monitor Phone Activity: Stay alert for any suspicious behaviour and report it immediately.

HEALTH TIPS

Expert tips on managing viral fever and infections during rainy season

Anjali Singh

Seasonal weather changes can affect every person differently because while some people have good immunity and can tide over seasonal changes without any health implications, others suffer from viral fever and other health related complications.

Chandpur, Nipah, Zika, Swine Flu, Avian flu, Dengue, Chikungunya – it's a long list of viral infections hitting the country

Sharp increase in dengue cases, particularly in Maharashtra and Karnataka. For example, Karnataka alone has recorded over 19,000 dengue cases by early August 2024,

Symptoms

- Airborne viral infections include common cold, influenza and viral flu.
- Water-borne viral infections which include viral gastroenteritis and diarrhea.
- Vector-borne viral infections, which include chikungunya and dengue.

Dr. Paritosh Baghel

According to Dr. Paritosh Baghel viral fever is a common condition and people can generally recover at home unless the illness becomes severe and requires hospital admission.

How can viral fever be prevented?

- Give your body sufficient rest and sleep.
- Drink enough fluids to stay hydrated, as dehydration in this situation can be dangerous.
- Take a lukewarm bath to reduce body temperature.
- Maintain personal hygiene by washing hands with soap or sanitizing them with hand rubs, especially when you come from outside.
- Do not touch your nose and mouth frequently, especially when outside.
- When you cough/sneeze, always cover your mouth and nose. If you feel sick and have a fever, avoid going to public places to prevent the spreading of the disease.
- Maintain good immunity and remain healthy by having well balanced and nutritious food.
- If you know a person is infected, avoid any communication with them or else maintain distance between if urgent to have conversation or interaction.
- Exercise regularly, drink plenty of water and sleep for at least eight hours every night.

Sudoku

4	5							
	2		7			6	3	
							2	8
		9	5					
	8	6				2		
	2						5	
						4		6
	7		4	5				
	8			9				

विश्वविद्यालयों की खबरें

Nandini Agarwal

- A straight away hike of 10 Lakhs across deemed colleges of India for the post graduate medical fees. Colleges also included the reason behind this increase, saying it is to bring the cut-off marks for NEET PG exams to zero by demanding higher amounts.
- Results for re-examinations of UGC NET 2024 are yet to be announced which were held in the month of June. The National Testing Agency (NTA) will soon announce the results in due course of time. Candidates are asked to keep a check on ugcnet.nta.ac.in
- St. Xavier's College (Kolkata)—A majestic pre-puja Cultural Celebration 'Bodhan 2024' is being held by the Bengali literary Society of the College just before the Navratri, showcasing the heritage of Bengali culture.
- New skilling courses being launched for the students by Karnataka Government, which includes Language Skills, Employability Skills, Capacity Building Training, Freemium Digital Library and many more These programmes are introduced in collaboration with British Council.
- Registration begins for Symbiosis Law Aptitude Test 2025. Candidates are allowed to take the SLAT on both dates, December 13 and December 15. No normalisation will take place.

जब रक्षक ही बन जाए भक्षक !

बिगड़ा हुआ है अपराधियों का मानसिक संतुलन

अंजली सिंह

नई दिल्ली। बेटी को स्कूल भेजना हो तो आज भी अभिभावकों को सोचना पड़ता है । यही नहीं, अगर बेटी काम पर बाहर जा रही हो तो भी इस पर विचार करना पड़ता है । आज महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ जिस तरह के अपराध हो रहे हैं, बेटी घर की दहलीज़ लांघकर एक कदम भी घर से बाहर निकले, तो उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है । अहम सवाल यह है कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा किस लिए लगाया जाता है ? इस नारे की आज सार्थकता क्या है ? रेप जैसे हादसे न हों, लड़कियां अपना बचाव कर पाएं, इसलिए उनको आत्मरक्षक प्रशिक्षक के पास आत्मरक्षा के गुर सीखने भेजा जाता है । सिलीगुड़ी में सितंबर माह में आत्मरक्षा का हुनर सिखाने वाले एक कराटे टीचर के खिलाफ 16 साल की नाबालिग छात्रा का यौन शोषण करने का मामला सामने आया । वहीं गुजरात के दाहोद में एक हिला देने वाली खबर सामने आई । यहां के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के प्रिंसिपल ने बच्ची का रेप करने की कोशिश की । इस दौरान बच्ची चिल्लाई और भागने लगी । प्रिंसिपल को लगा कि वह फंस सकता है इसलिए उसने बच्ची का गला दबाकर उसे मार डाला । आखिर क्या गलती थी उस छह वर्ष की लड़की की ? कोलकाता में 36 घंटे काम करके एक ट्रेनी डॉक्टर ने सोया थोड़ा आराम कर ले । हैवानों ने उससे रेप कर मार डाला ।

बेटियों की सुरक्षा खतरे में

- दिल्ली में 11 वर्षीय छात्रा के साथ किया आत्मरक्षा प्रशिक्षक ने कक्षा में किया यौन उत्पीड़न ।
- हाल ही में गुजरात के स्कूल के प्रिंसिपल ने किया छह वर्ष की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न, उसके बाद की उसकी हत्या ।
- कोलकाता आरजी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की साजिश से छात्रा का रेप और मर्डर ।
- भोपाल के एक निजी स्कूल के 28 वर्षीय शिक्षक ने 3 वर्षीय छात्रा के साथ किया दुष्कर्म ।

क्या सावधानी बरतें लड़कियां ?

- अगर कोई लड़की ऐसी दुविधा में पड़ जाए और कोई रास्ता न हो तो कोशिश करें कि अपने फोन में पावर बटन को होल्ड करें । उससे इमरजेंसी कॉल लगती है । जिसके द्वारा लोकेशन तुरंत ट्रैक होनी शुरू हो जाती है ।
- घर से बाहर निकलें तो अपने पास एक छोटा हथियार जरूर लेकर निकलें ।
- आपको किसी पर भी आसानी से भरोसा नहीं करना चाहिए ।
- अपना फायदा उठाने के लिए ऐसे दुश्मनों आपको जाल में फंसाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं ।
- अनजान स्थानों और असुरक्षित इलाकों में जाने से बचें, खासकर रात के समय ।
- यात्रा करते समय अपना मोबाइल पूरी तरह चार्ज रखें और आपातकालीन नंबरों को आसानी से उपलब्ध रखें ।
- आत्मरक्षा की ट्रेनिंग लें परंतु लेडीज ट्रेनर से, जिससे आप किसी आपात स्थिति में अपने बचाव के लिए शारीरिक रूप से सक्षम हो सकें ।
- सेफ्टी गैजेट जैसे पेपर स्प्रे, इलेक्ट्रिक शॉक उपकरण साथ रखें और उनका इस्तेमाल करना सीखें ।
- सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी और लोकेशन साझा करने में सावधानी बरतें ।
- किसी भी तरह की अनुचित घटना की तुरंत पुलिस में शिकायत करें । डरने की जरूरत नहीं ।
- कुल मिलाकर महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए समाज, सरकार, और परिवारों को एकजुट होकर काम करना चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें । जरूरी है कि बेटी को डरना नहीं, लड़ना सिखाया जाए । उन्हें रोको मत, रोकना सिखाना चाहिए ।

Knowledge   Solve Quiz No. 120   For Students

Solve the following quiz and reply promptly through email. Names and photos of students who answer correctly will be published in IMS TODAY. IMS Engineering college students can provide reply through personal submission-Editor. Email imstoday.imsec@gmail.com

1. **Which instrument determines specific gravity of liquids?**
   a) Gravimeter
   b) Hydrometer
   c) Hygrometer
   d) Hypsometer

2. **Which spacecraft was the first to land on the Moon?**
   a) Apollo 10
   b) Apollo 11
   c) Apollo 13
   d) Sputnik

3. **Which one of the following prevents bleeding?**
   a) Leukocytes
   b) Lymphocytes
   c) Neutrophils
   d) Platelets

4. **What is the purpose of sphygmomanometer?**
   a) To measure blood pressure
   b) To measure hypertension
   c) To measure body temperature
   d) To measure heart beat

5. **Death in Carbon dioxide atmosphere occurs due to**
   a) Lack of oxygen
   b) Suffocation
   c) Destruction of tissues
   d) It stopping the functioning of brain

6. **Which is the largest blood vessel in the body?**
   a) Alveoli
   b) Artery
   c) Aorta
   d) Vein

7. **Who had performed the world's first heart transplant?**
   a) Dr. Venugopal
   b) William Harvey
   c) Christian Bernard
   d) None of the above

8. **Which of the following uses radio waves to determine the range, altitude, direction, or speed of objects?**
   a) LIDAR
   b) LORAN
   c) RADAR
   d) SONAR

9. **Who discovered antiseptic surgery?**
   a) Alexander Fleming
   b) Edward Jenner
   c) Joseph Lister
   d) Louis Pasteur

10. **The oil in the wick of an oil lamp rises up due to the phenomenon of**
    a) Difference in pressure
    b) Gravitational pull
    c) capillary action
    d) Oil being lighter

Participation format

Quiz No._____
Name of Student_____
(also attach your PP size Photo)
Class_____Year_____
College ame_____
Mobile umber_____
Email_____
Present Address_____
Permanent Address_____

Answers (QUIZ-119) September, 2024 issue:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
a	c	d	b	d	c	c	d	c	a

Prepared By: Prof. Pradeep Kumar, Assistant Professor (AS&H)

ई-कचरा मुक्त भारत बनाना है हमें

भारत ई-कचरा यानी ई-अपशिष्ट उत्पादन के मामले में दुनिया में तीसरे नंबर पर है। पहले स्थान पर चीन और अमेरिका है। बिजली के घरेलू, ऑफिस के इलेक्ट्रॉनिक सहित सबसे के तमाम पुराने उपकरण इस श्रेणी में आते हैं। सबसे अधिक ई-अपशिष्ट कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल और टेलीविजन सेट से पैदा होते हैं। इसमें कई खतरनाक रसायन मसलन सीसा, कैडमियम, पारा, निकेल आदि होते हैं, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि भारत के कुल 65 ऐसे शहर है जो भारत के कुल ई-अपशिष्ट का 60 फीसदी उत्पादन करते है, जबकि दस राज्य कुल का 70 फीसदी उत्पादन करते है। भारत में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, हैदराबाद, पुणे, सूरत और नागपुर में सबसे अधिक ई-अपशिष्ट पैदा होता है। भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2017-2018 के मुकाबले 2021-2022 ई-अपशिष्ट दोगुना से भी अधिक हो गया है और यह लगातार बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास की रिपोर्ट के अनुसार, 2010 और 2022 के बीच स्क्रीन, कंप्यूटर और छोटे आईटी और दूरसंचार उपकरण (एससीएसआईटी) से इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पन्न करने में भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक 163 प्रतिशत की वृद्धि थी। '2024 डिजिटल इकोनॉमी रिपोर्ट: पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और समावेशी डिजिटल भविष्य को आकार' के मुताबिक भारत ने दुनिया में ई-अपशिष्ट उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी वर्ष 2010 में 3.1 प्रतिशत से दोगुनी होकर वर्ष 2022 में 6.4 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार, एशिया में विकासशील देश 2022 में इस तरह का अधिकांश कचरा उत्पन्न हुआ, जिसमें चीन का योगदान लगभग आधा था। वहीं, भारत प्लास्टिक कचरे के उत्पादन के मामले में दुनिया में पांचवें नंबर पर है। प्लास्टिक कचरे करीब 5.8 मिलियन टन जनरेटेड होता है। प्लास्टिक कचरे के मामले में भारत दुनिया में तीसरे पायदान पर है और इसका योगदान 5.5 मिलियन टन का है। भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक उत्पादित प्लास्टिक का केवल 60% ही पुनर्चक्रित किया जाता है। शेष 9400 टन प्लास्टिक पर्यावरण में अप्रत्यक्ष छोड़ दिया जाता है जिससे भूमि, वायु और जल प्रदूषण फैलता है। फिजिकल में उपयोग होने वाले कुल 70% प्लास्टिक कुछ ही समय में प्लास्टिक कचरे में परिवर्तित हो जाता है। ई-अपशिष्ट के निस्तारण के लिए कई गलत प्रक्रिया अपनाई जाती है। जैसे भूमि पर या उस निकायों में दफ्न करना, नियमित कचरे के साथ-साथ लैंडफिलिंग, खुले में रखना, जलाना या गर्म करना, एसिड डालना, प्लास्टिक कोटिंग्स को अलग करना या टुकड़े करना अथवा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को मैन्युअल रूप से अलग करना आदि। इन गतिविधियों से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ते है क्योंकि वे जहरीले प्रदूषक छोड़ते हैं, जो रीसाइक्लिंग स्थलों और वातावरण मसलन हवा, मिट्टी, धूल और पानी को दूषित करते हैं। दूसरी ओर, प्लास्टिक को जलाने से कैंसर, एंडोमेट्रियोसिस, तंत्रिका संबंधी क्षति, अंत:स्रावी व्यवधान, जन्म दोष और बच्चे विकासात्मक विकार, प्रजनन क्षति, प्रतिरक्षा क्षति, अस्थमा, और एकाधिक अंग हानि जैसी बीमारी मृत्यु को हो सकते है। प्लास्टिक कचरे में मौजूद हानिकारक रसायन जैसे कि बिस्फेनॉल-अ (BPA) और पैथलेट्स मानव स्वास्थ्य के लिए खतरे पैदा कर सकते हैं। प्लास्टिक कचरे के कारण समुद्री जीवन, जल स्रोत, और मिट्टी में प्रदूषण बढ़ रहा है। हर साल लगभग आठ मिलियन टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंच जाता है, जिससे समुद्री जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 3.2 मिलियन टन ई-अपशिष्ट उत्पन्न होता है। यह संख्या 2025 तक 5.2 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है। भारत में ई-अपशिष्ट का केवल पांच फीसद ही सही तरीके से रिसायकल किया जाता है, जबकि 95% ई-अपशिष्ट असंगठित क्षेत्र में नहा से जाता है या लैंडफिल में जला जाता है। भारत सरकार ने ई-अपशिष्ट से निस्तारण के लिए कई कानून बनाये हैं। ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम, 2022 के तहत ई-अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया को डिजिटल बनाने और दर्पता बढ़ाने है। उस बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में खतरनाक पदार्थों (जैसे सीसा, पारा और कैडमियम) के उपयोग को भी प्रतिबंधित करता है जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि भले ही भारत सरकार अपनी ओर से तमाम प्रयत्न कर रही है लेकिन जब तक देश का आम जन इस ई-अपशिष्ट के प्रति जागरूक नहीं होगा, प्लास्टिक के प्रयोग से दूर नहीं करेगा तब इसका निष्पादन करना संभव नहीं है। यदि हमें ई-अपशिष्ट मुक्त भारत या विश्व बनाना है तो हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह खुद भी इसके दुष्प्रभाव की जानकारी रखे और दूसरों को भी इसके बारे में बताये।

Psychology of Procrastination

Nimishka

We have often heard the saying "Kal kare so aaj kar, aaj kare so ab, pal me parlay hoyegi bahuri krega kab" by the poet Kabir Das meaning what you can do tomorrow do it today, what you can do now, if the moment is lost how will the work be done. But do we really implement it in our life? The answer would be no, in today's fast paced digitally connected world there is a big issue of procrastination. People especially students tend to procrastinate their work, their decisions, tasks etc. But what exactly is procrastination and is it related to just laziness or something more.

Procrastination means delaying something until a later time because the person does not want to do it at the moment and this can happen due to various reasons such as lack of motivation, distractions, fear of failure, lack of self-control, perfectionism, low self-esteem etc. In today's digital era where technology is advancing at a rapid pace, it has introduced various opportunities but has also become the biggest distraction for youth. Spending hours scrolling on social media, this excessive use of social media cultivates an unrealistic pursuit of perfection, leading youth to rely on AI to complete their work. This overdependence on technology can create imbalance in their self-esteem.

Youth can face various challenges due to procrastination, impacting both their academic and career lives. In their academic life, procrastination could lead to missed deadlines and producing lower quality work, resulting in lower grades and diminished performance. This academic decline creates a cycle of stress, anxiety and fear of failure, as the pressure of unfinished tasks looms over them, negatively affecting their mental health and overall well-being. Additionally, procrastination can slow down the development of essential skills such as time management and organization, making it difficult for students to balance their studies with social activities, part-time jobs, and family responsibilities.

Procrastination could create several career challenges too, such as missed deadlines that would damage the reputation, increased stress from last-minute work, and lower quality outputs due to rushing. It can hinder career growth by limiting opportunities for advancement and reduce overall productivity by creating a backlog of tasks. Additionally, procrastination can strain team dynamics, as colleagues may feel burdened to take on extra work, and it can signal a lack of initiative to management. These issues often lead to difficulties in time management and feelings of regret, further reinforcing the cycle of procrastination. Addressing this behaviour is crucial for personal satisfaction and professional success.

To overcome procrastination, it's important to understand why you procrastinate in the first place. Identifying the reason of procrastination is the foremost and the most important step to overcome it. After you have recognized the reason start breaking down large tasks into smaller, manageable steps. This approach makes the task less overwhelming, allowing you to make progress and build momentum. Set clear goals and deadlines for each task to maintain motivation and direction. After the goal is set create a suitable environment. Your environment plays a significant role in overcoming procrastination. Eliminate distractions by turning off notifications, logging out of social media, and finding a quiet workspace. Create a conducive work environment by organizing your space, using good lighting, and maintaining a comfortable temperature.

Work-Life Integration: Mastering the Art of Balance

Smriti Kanchan

Balancing work-life is like blending colors on a canvas, you need all the shades to enhance the picture. Life isn't just about juggling between 9-5 jobs, but it is also about finding new hobbies, family, relaxation. When all these elements work in harmony you feel yourself at ease.

Finding the right balance between work and life feels like walking a tightrope sometimes. But what if I told you that it's about blending both parts rather than keeping them separate? That's what work-life integration is all about. Work-life integration is about weaving your professional and personal lives together.

Balancing work-life is like blending colors on a canvas, you need all the shades to enhance the picture. Life isn't just about juggling between 9-5 jobs, but it is also about finding new hobbies, family, relaxation. When all these elements work in harmony you feel yourself at ease.

Suddenly, you feel like you are achieving your goals, living your life and most importantly enjoying while doing so.

Here are certain ways you can manage both work and life?

- **Setting clear boundaries:** When you set clear boundaries, you create space for both work and personal time. This doesn't mean you have to turn off your phone at five o'clock, but it's important to set time when you're "on" and "off."

For instance, consider giving yourself a non-negotiable lunch break. Step away from your desk, grab a bite, and truly disconnect. This small act can make a huge difference in how refreshed you feel for the rest of the day.

- **Embrace Flexibility:** If your job allows it, try creating a fluid schedule that adapts to your life's demands. Maybe you work better in the morning and need afternoons for family activities. Tailoring your work hours can lead to better results and greater satisfaction.

- **Prioritize personal timings:** Taking time for yourself shouldn't feel like a luxury; it should be a priority. Take time for things you love like reading, dancing, spending time with your loved ones.

- **Leveraging technology smartly:** Technology can either be a lifesaver or a distraction—it's up to you to decide. Use apps to keep track of your tasks, set reminders, and share calendars with your team. Think of these tools as the scaffolding holding up your balance. They can help you stay organized and connected without taking up all your time.

- **Cultivating a Supportive Environment:** Having a support system can make or break your work-life integration. Surround yourself with people who respect your need for balance. Consider forming a small group of friends or coworkers who share your goals. This way, you can motivate each other, celebrate successes, and tackle challenges together.

Lastly, work-life integration isn't just a buzzword—it's a sustainable way to live. By blending work and life, setting clear boundaries, embracing flexibility, and prioritizing time for yourself, you can create a more fulfilling existence. It's about finding a rhythm that fits for you.

समाज का आईना हैं मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद
(31 जुलाई 1880 & 8 अक्टूबर 1936)

सलमान कुरेशी

मुंशी प्रेमचंद हिंदी और उर्दू साहित्य के एक प्रमुख स्तंभ हैं, जिन्हें भारतीय साहित्य में 'उपन्यास सम्राट' के नाम से भी जाना जाता है। उनके साहित्य ने सामाजिक यथार्थ और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा चित्रण किया है, जिसे आज भी भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। उनके साहित्यिक योगदान ने हिंदी साहित्य को एक नई दिशा दी और इसे जन-जन तक पहुंचाने का काम किया।

वे कहते थे 'जवानी आवेश मय होती है, वह क्रोध से आग बन जाती है तो करुणा से पानी भी।'

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के लमही गांव में हुआ था। उनका वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उन्होंने अपने लेखन करियर की शुरुआत उर्दू में की और बाद में हिंदी में लिखना शुरू किया। उनके पिता एक डाकघर में काम करते थे और प्रेमचंद का बचपन आर्थिक तंगी में बीता। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा वाराणसी से प्राप्त की और बाद में पढ़ाई जारी रखने के साथ-साथ अध्यापन कार्य में भी लगे रहे। जीवन की कठिन परिस्थितियों ने उनके लेखन में यथार्थ और संघर्ष के पहलुओं को गहराई से उजागर किया।

मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक यात्रा का आरंभ उर्दू भाषा में 'नवाब राय' के नाम से हुआ। उनका पहला उर्दू उपन्यास 'असरार-ए-मआबिद' था। लेकिन 'सोज-ए-वतन' नामक अ उर्दू कहानी संग्रह के ब्रिटिश शासन द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के बाद उन्होंने हिंदी में लिखना प्रारंभ किया और 'प्रेमचंद' नाम से प्रसिद्ध हुए।

प्रेमचंद ने लगभग 300 कहानियों और 12 प्रमुख उपन्यास लिखे। उनकी कहानियों में ग्रामीण जीवन का चित्रण, सामाजिक असमानता, शोषण, आर्थिक तंगी और मानवता के मूल्यों का समावेश होता था। उनके लेखन का उद्देश्य समाज को एक नई दिशा देना और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाना था।

प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में भारत के आम आदमी की पीड़ा, संघर्ष, और उसकी जिजीविषा को प्रकट किया। गोदान प्रेमचंद का अंतिम और सबसे प्रसिद्ध उपन्यास है। इसमें ग्रामीण किसान होरी की कहानी है, जो अपने जीवन में गो-पालन और कृषि के लिए संघर्ष करता है। यह उपन्यास भारतीय चिंतन के, जातिवाद, शोषण, और आर्थिक विषमता का यथार्थ चित्रण करता है।

गबन उपन्यास एक मध्यमवर्गीय परिवार की लालच और सामाजिक प्रतिष्ठा की चिंता के कारण उत्पन्न समस्याओं का वर्णन करता है। गबन में प्रेमचंद ने भ्रष्टाचार और नैतिक पतन को रेखांकित किया है। कर्मभूमि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधारों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें राजनीति, जातिवाद, और साम्प्रदायिकता का गहन विश्लेषण किया गया है। निर्मला बाल विवाह और दहेज प्रथा की समस्याओं पर केंद्रित है। इसमें एक युवा लड़की निर्मला के दुखद जीवन का चित्रण किया गया। ईदगाह की कहानी प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कहानी है, जो एक छोटे लड़के हामिद की संवेदनशीलता और उसकी दादी के प्रति उसके प्रेम की मार्मिक कहानी है।

प्रेमचंद की लेखन शैली सरल, सहज और प्रभावशाली थी। उन्होंने अपने पात्रों को इतना जीवंत बनाया कि वे पाठकों के दिलों में बस जाते हैं। उनकी कहानियों में आम जनमानस, विशेषकर किसानों, मजदूरों, और स्त्रियों की समस्याओं का सजीव चित्रण है। प्रेमचंद ने अपने साहित्य में भारतीय समाज की विद्रूपताओं, जैसे जातिवाद, सामंती अत्याचार, स्त्री उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई।

उनकी कहानियां और उपन्यास केवल मनोरंजन के साधन नहीं थे, बल्कि समाज सुधार और चेतना जागरण के लिए एक माध्यम थे। उन्होंने साहित्य को समाज का दर्पण माना और अपने लेखन के माध्यम से समाज को एक बेहतर दिशा देने का प्रयास किया।

मुंशी प्रेमचंद न केवल एक लेखक थे, बल्कि वे समाज सुधारक भी थे। उन्होंने भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वास, जातिवाद, और सामंती उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार तरीके से लिखा। उनकी कहानियों में किसानों की दुर्दशा, महिलाओं की पीड़ा, और गरीबी का सजीव चित्रण मिलता है। प्रेमचंद का मानना था कि साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह समाज में बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण साधन होना चाहिए। उन्होंने कहा था, 'साहित्य समाज का दर्पण है,' और उनके लेखन में यह बात स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।
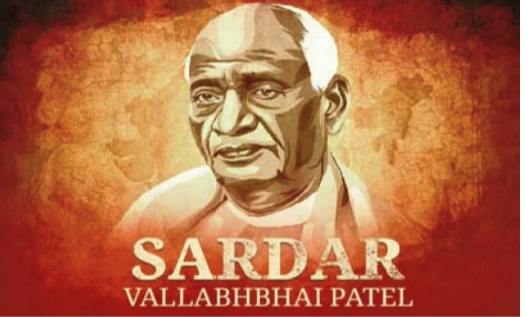
मुंशी प्रेमचंद ने हिंदी साहित्य को एक नई दिशा दी और इसे समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का काम किया। उनकी रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं और समाज के हर वर्ग में पढ़ी जाती हैं। उनका साहित्य जीवन की सच्चाइयों और मानवीय मूल्यों का परिचायक है। उन्होंने सामाजिक अन्याय के खिलाफ अपने साहित्य को एक हथियार के रूप में प्रयोग किया, और इस प्रकार वे न केवल हिंदी साहित्य के बल्कि पूरे भारतीय समाज के एक महानायक बन गए। मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं ने भारतीय समाज को गहराई से प्रभावित किया है, और उनकी साहित्यिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य संपत्ति है। उनका जीवन और साहित्य हमें सिखाता है कि साहित्यकार का धर्म केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा दिखाना और उसे सुधारना भी है।

National Unity Day: Celebrating the Legacy of Sardar Vallabhbhai Patel

SARDAR VALLABHBHAI PATEL

Khushi Bisht

National Unity Day is celebrated on October 31st every year to commemorate the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel famously known as Iron Man of India. The day is observed to recognise his contribution towards India's independence and unity. The reason behind the celebration of National Unity Day is to boost the nation's unity and spread about Sardar Vallabhbhai Patel's contribution to the country.

The Indian government organises various programmes to celebrate the occasion such as Run for Unity, Pledge taking ceremony and March Past, held by Indian Police with the National Unity Day Slogan. The Run for Unity program is organised in major cities and various places in rural areas where students at schools, colleges, universities, and educational institutes participate in the program. The event is organised at a huge level in Delhi, where they run from Vijay Chowk to India Gate on the Rajpath in the morning.

The second program is organised in government offices, public sectors and public institution by holding a pledge taking ceremony. Employees and Staff from the municipal cooperation's of various cities participate in the National Unity Pledge on National Unity Day and then go for Run for Unity.

The third event takes place in the form of a March past by the police, including scouts, guides, NCC, etc. It is organised in the major cities and districts towns. Also, students from schools and colleges perform several cultural activities, including poster making to spread the message of unity and brotherhood, essay writing, speech narrating, quiz competitions, painting, etc.

In the past, communities came together to support each other, particularly during tough times. However, today's societal landscape often highlights division over unity. People are more inclined to align with rigid identities, political affiliations, or ideologies, further exacerbating hate. This shift has led to a significant decline in the willingness to help or show love to others. Social media is rife with instances of intolerance, fuelling the divide and creating an environment where hatred thrives.

The current atmosphere is marked by hatred, division, and a loss of humanity. People are more focused on conflict than on helping or showing love towards one another. Incidents like the Tirupati laddu controversy, where religious sanctity was compromised when reports surfaced claiming the use of animal fat in the sacred Prasad. This incident not only shook the devotees but also symbolized a deeper social crisis our growing indifference toward compassion and unity
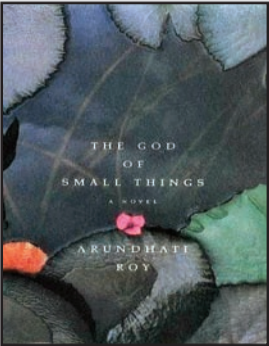
Ways to Restore Unity and Compassion

Foster Dialogue: Encourage open conversations among people from different backgrounds to promote understanding and reduce stereotypes.

Promote Compassion through Education: Schools and communities should emphasize the importance of empathy, respect, and kindness from a young age.

Focus on Common Humanity: Emphasizing shared values rather than differences helps build unity.

Celebrate Diversity: Instead of focusing on differences, communities should highlight their shared values and celebrate cultural diversity.

Encourage Collective Action: People should work together on common causes—such as environmental or social issues—to build solidarity and restore the sense of a shared community.

National Unity Day serves as a poignant reminder of the ideals that built modern India—unity, love, and mutual respect. While the atmosphere of hatred may seem pervasive today, we can all take small steps toward restoring a sense of community and humanity. By working together to eliminate the barriers that divide us, we can strive toward a society where love and help replace hatred and in difference.
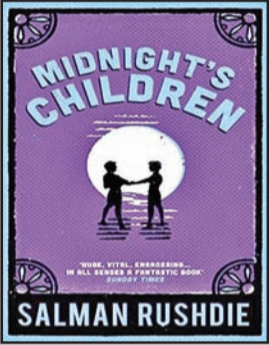
BOOK NOOK

BOOK – The God of Small Things

Mugdha Jugran

Book: The God of Small Things
Author: Arundhati Roy
Published: April 1, 1997, by Random House
Rating: 4 stars

Arundhati Roy crafts a moving tale about the loss of innocence and the widespread destruction brought about by an unfortunate tragedy. She looks at each character's motivations, fears, and—above all—unfulfilled dreams—the ultimate common human tragedy—with a sincere kindness. A hazy sensation of foreboding, a prickly anxiety in the back of your neck, is unavoidable as the plot shifts masterfully between space and time. Since the book is, genuinely about the Small Things, to even try to sum up the storyline would be to ruin it entirely.

Book: Midnight's Children
Author: Salman Rushdie
Published: 1981, Jonathan Cape
Ratings: 3.9 stars

"Midnight's Children" masterfully intertwines magic and history, offering a rich, vibrant narrative that explores identity and post-colonial India. A must-read!
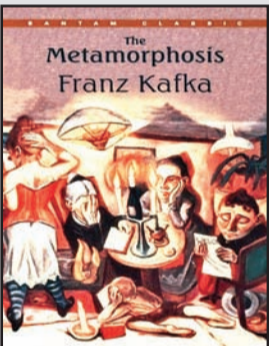
Book: Hundred Years of Solitude
Author: Gabriel Garcia Marquez
Published: 1967, Sudamericana Press
Ratings: 4.2 stars

" A Hundred Years of Solitude" captivates with its magical realism, exploring family, fate, and the cyclical nature of history. Timeless masterpiece!

Book: The Metamorphosis
Author: Franz Kafka
Published: October 1, 1915, Kurt Wolff Verlag, Leipzig
Ratings: 3.8 stars

"Metamorphosis" poignantly examines alienation and identity through Gregor's transformation, blending surrealism with deep existential themes. A haunting, thought-provoking read!

UPCOMING EVENTS

Priyanshu Vats

- **Durga Puja & Dussehra:** Celebrations for Durga Puja, especially in West Bengal, will begin on October 9 and continue until October 13, culminating in Dussehra.
- **World Cup Cricket 2024:** India will continue to host matches of the ICC Men's T20 World Cup during October and November.
- **World Mental Health Day (Oct 10th):** A day dedicated to raising awareness of mental health issues and promoting mental well-being globally.
- **Assembly & Local Elections:** Haryana, Chattisgarh, Madhya Pradesh & Rajasthan will have their assembly elections. Whereas Jammu & Kashmir will have its local elections.
- **Smart Industry 4.0 Hackathon** – A hackathon focused on Industry 4.0 technologies will be hosted at Chennai Institute of Technology from October 14-16, 2024.
- **Diljit Dosanjh India Tour** – Starting from October 26, 2024, Diljit Dosanjh will be performing across cities like Delhi, Bengaluru, and Mumbai.
- **World Children's Day (November 20):** Promotes children's rights and well-being worldwide.
- **India Cricket Matches:** Several bilateral cricket series will be hosted in India during this period. The men's team will play Afghanistan, England, and Bangladesh
- **International Conference on Engineering and Technology (October 28, 2024):** Held at Marthandam College of Engineering and Technology in Kanyakumari.
- **Autonomous Driving with Python Workshop (October 19, 2024):** Organized by Top Engineers in Chennai, this workshop is ideal for students interested in AI and autonomous driving technology.

Youth's Changing Point of View : Embracing a New Perspective

Sanchita Mukherjee

New Delhi: In this developing world, the perspectives of today's youth are shifting dramatically, which generally is getting influenced by a combination of many technologies, social media platforms, also global events and challenges. This transformation is not just a phase; it signifies a fundamental change in how young people perceive themselves, there in-living surroundings, communities and the world at large.

One of the most significant factors in changing youth perspectives is technology. The rise of social media and digital communication has connected young people like never before. Platforms such as Instagram, Facebook, X allow for the rapid exchange of ideas, leaving behind a footprint of global citizenship. Youth today are more aware of diverse cultures and social issues across the globe. They can engage with movements such as climate preservation and protection, racial equality, and mental health awareness through viral content, often leading to a sense of urgency and responsibility. The digital landscape is spreading information, empowering youth to voice their opinions and rally for change.

One such perspective changes of all the students is when we upgrade our life from a school student to college student. The transition from school to college is a significant milestone in a young person's life, marking a period of personal and intellectual growth. This shift is not just about moving to a new environment; it involves a fundamental change in perspectives. Here are some key ways in which our viewpoints evolve during this transformative journey.

Independence and Responsibility

Many students look forward to the newfound freedom that college offers. They enjoy the ability to manage their own schedules and make choices about their daily lives. With freedom also comes great responsibilities because we all come from different backgrounds and one particular thing is hard work.

Social Life

Our social backgrounds and interests both change drastically. Basically if we see during the school life, students can't hit a certain level of maturity to contemplate situations of life and get through them. Public exposure doesn't get enhanced much, which comparatively develops while we explore and meet new people once we get out of college.

Future Growth

College students tend to think more about their future careers and life goals. There is a greater emphasis on internships, networking, and building a professional identity. We try to get knowledge from every possible situation and aspect. But still many people wither around the confusions of finding the right track for a better future.

Personal Growth

College is often a time for self-discovery and self-development. Students explore their interests, values, and beliefs in a more profound way, leading to shifts in personal identity. Personal growth reflects in the way we persuade into different scenarios and how we grasp into new learning which we crucially lack while being in the phase of a school student.

Shift in Values

As youth engage with diverse thoughts online, their values and priorities also shift. Stable jobs, homeownership, and financial security—are being re-evaluated. Many young people prioritize purpose-driven work, sustainability, and social impact over materialistic achievements. This shift is evident in the increasing popularity of social events and careers in non-profits, as youth seek to align their professional lives with their personal values.

The changing perspectives of youth reflect a dynamic interplay of technology, values, education, political engagement, globalization, and resilience. As young people continue to redefine their identities and roles in society, they challenge the status quo and advocate for a more inclusive and sustainable future. By embracing these changes and supporting youth voices, society can harness their potential to create meaningful progress and address the complex challenges of our time. The future belongs to the youth, and their evolving viewpoints are a testament to their strength, adaptability, and vision for a better world.

Learning Style

The focus shifts from memorization and learning to critical thinking, logical and practical based application. College encourages deeper analysis and independent research, which can be a significant adjustment. But here if we compare schooling then it basically focusing on good grades rather than understanding the aspects of the subjects.

Spare More Time for Study and Certifications: Alumni

Sameer

Shivangi Pundhir talks about her experience at IMS Ghaziabad, including extracurricular activities, opportunities, and her journey in IMS Ghaziabad. She also gave her valuable advice to aspiring business enthusiasts. Shivangi Pundhir is an alumnus of IMS Ghaziabad, University Courses Campus, BBA, Batch 2014-2017 and MIB Batch 2017-2019.

How was your experience at IMS Ghaziabad? Can you share some highlights from your time at IMS? And where are you placed right now?

My experience at IMS Ghaziabad was enriching in terms of learning and skill development. IMS has not only provided me a platform to improve my knowledge base but has also fostered my growth required for enhancing my skillset. Highlights from my five-year journey at IMS would be the global exposure that the institute has provided by facilitating one month internship in Dubai alongside organizing multi-faced events Global Immersion Program and MUN. I am placed at EY GDS, Gurgaon as Lead Analyst.

Were you involved in any clubs, societies, or student bodies? How did they contribute to your personal or professional growth?

I was an active member of Marketing, Business and Finance club wherein I organized and participated in multiple events. These clubs provided an exceptional platform to work on my various skills such as creativity, analytical thinking, public speaking, leadership, strategic thinking, decision making to name a few.

How did you balance academics with extracurricular?

For maintaining a balance between academics and extracurricular, I used to utilize my free lectures or weekend time for extracurricular activities while devoting the hours in college for academics. Additionally, I used to brainstorm ideas during any time of the day and not waiting for any specific 'free time' to work on ideas. IMS Ghaziabad prepared me for the real-world challenges by replicating a somewhat similar routine just like we have in corporates. For instance, faculties would strictly prohibit students coming late to class this helped to ensure we reach office also on time else our salaries would be deducted

How did your BBA from IMS Ghaziabad prepare you for the real-world challenges in the business sector?

By organizing mock interview sessions, guest lectures, industrial visits and alumni talks, the institute provided a platform to learn from real corporate wizard who used to share their learning journey and experiences with us which in turn helped the students also to develop the right mindset.

What suggestions would you give to students about placement?

Some of the key trends in the industry are Applied and Generative Artificial Intelligence, Cyber security, Cloud computing and to name a few.

I would suggest students to work on enhancing their skillset (both technical and non-technical) to cope up with changing landscape conditions of the industry.

How has the business industry evolved since you graduated and how should current students adapt to these changes?

I would like to ask students to identify new skills as per your desired industry requirement, develop and polish existing skills through widely available courses on the internet and most importantly identify the domains that excites/motivates you the most – it will immensely help while making choices regarding which course/certification/skill to pursue.

What advice would you give to current BBA students regarding skill-building and career preparation?

Although my time at the campus was great and enriching however, if I had to do one thing differently - it would be to spend more time for working on certifications.

Alumni Corner

SHIVANGI PUNDHIR

The Cosmic Connection: Exploring Michelangelo's Creation of Adam

Mugdha Jugran

New Delhi: Painted on the ceiling of Sistine Chapel is one of the most famous pieces of art, Michelangelo's The Creation of Adam. This incredible painting, which was commissioned by Pope Julius II in the early 1500s, depicts a pivotal point in history—the moment when God gives Adam, the first man, life. This scene captures the profound bond between the divine and humans and goes beyond simply showing the act of creation. A feeling of longing and expectation is evoked by the famous picture of God reaching out to Adam and their hands just touching. Life's possibilities and the notion that we are all a part of something bigger than ourselves are all present in this moment.

The humanist principles of the Renaissance, which emphasized the richness and beauty of the human experience, are reflected in Michelangelo's artistic creations. In order to realize this goal, Michelangelo devoted his life to the study of anatomy, frequently working with cadavers to gain a thorough understanding of the human body. Because of his commitment, he was able to produce figures that are vivid and full of energy, in addition to being visually arresting. In The Creation of Adam, every movement and muscle displays a deep spiritual depth that unites the holy and the earthly, in addition to physical beauty. The fresco's development was not without its challenges. The physical hardship of working high on scaffolding and the tremendous pressure to live up to the Pope's and the public's expectations were just two of the many difficulties Michelangelo faced. Even though he was first hesitant to take on the enormous assignment, he put all into it and frequently neglected his health in the quest for excellence. The figures' deep emotions and minute details show how committed these artists were.

Since its completion, The Creation of Adam has impacted innumerable artists and become a ubiquitous symbol of creation and our shared divine connection in popular culture. Its powerful visual evokes strong feelings in viewers, encouraging them to consider both the idea of a higher purpose and their own existence. In the end, Michelangelo's work of art is a reminder of our universal humanity and the divine spark that is within every one of us, transcending both space and time. In addition to showcasing his extraordinary talent, Michelangleo provided a window into the eternal discussion between humanity and the divine through this famous piece of art, a debate that still has resonance and inspiration today.

News Brief ...

Student-Led Panel Discussion

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Ghaziabad empowered ideas through the student-led panel discussion the 'Insightful Dialogue Session.' An initiative by Institute of Management Studies (IMS) Ghaziabad - Business School, immersing students in the exploration of new ideas and perspectives.

Masterclass on New Frontiers and Global Marketing

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Ghaziabad organized a masterclass on 'New Frontiers & Global Marketing' for PGDM Batch 2024-26 by Dr. Mohan Lal Agarwal, President, IGMA, Dubai. The main objective of the masterclass was to equip the students with an understanding of emerging trends in the area of marketing and also to take students a step ahead towards their summer internship placements and global exposure.

Expert Talk on Udyamita: Innovation, Incubation and Inspiration

Ghaziabad (IMS News Service): Grateful for the inspiring address by Shri. Shashank Mani, who highlighted the power of channeling personal energy into the national movement—turning challenges into opportunities. His emphasis on Udyamita —the spirit of innovation, incubation, and inspiration—reminded that innovation is not just the job of a few but a collective responsibility.

In pursuing meaning over happiness at the start of our careers, and embodying values like perseverance, relationships, and the transcendental process of Viksit Bharat, we align ourselves with the vision of a developed, united India.

Workshop on Procurement

Management Using SAP MM

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Ghaziabad organized the 3-day workshop on "Procurement Management Using SAP MM," from 29-31st August 2024 by the Industry expert Mr. Hitesh Kumar, SAP Consultant. The main objective of the workshop was to understand and utilize SAP MM specifically for procurement efficiency and effective supply chain management and also develop skills to optimize procurement workflows and develop strategies using SAP MM.

Mr. Hitesh also discussed the hands-on proficiency in SAP MM for executing procurement tasks managing the supply chain effectively and utilizing SAP MM expertise to solve real-world procurement challenges through hands-on experience.

B.Tech First Year SIP Modules -SIP 2024

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Engineering College,, organized different modules (Human Values , Proficiency in Subjects, Creative & literary Activities) as part of Student Induction Program (SIP) to enhance students' communication and technical skills with energetic dance performances, powerful skits, heartfelt poetry recitations, and hilarious mimicry acts focusing on holistic development through Human Values which helped to groom their personalities and become familiar with the institution's ambience for their smooth sailing in the upcoming academic journey of four years of B.Tech. program.

Prof. (Dr.) Jyoti Sinha, HOD of B.Tech 1st Year, motivated students to apply their knowledge practically. These modules helped them to develop and explore their hidden talents at the fullest. This initiative was taken under the guidance and supervision of Honorable Director, Prof. (Dr.) Shailesh Tiwari, IMSEC Ghaziabad.

Teacher's Day Celebration

Ghaziabad (IMS News Service): The IMS Ghaziabad Students Excellence Council celebrated Teachers Day on 5th September 2024. Students showcased various performances and games for their teachers.

AARAMBH 2024: A Night to Remember with the Binge Bash OTT Experience

IMS News Service

Ghaziabad: AARAMBH 2024, the much-awaited Fresher's Party, successfully took place. bringing a night filled with excitement, fun, and unforgettable memories. This year's theme, Binge Bash–The OTT Experience, set the stage for a vibrant celebration that energized attendees.

The highlight of the evening was the Fashion walk, where participants showcased their unique styles, and dressed as their favorite OTT characters. From action heroes to comedy icons, the fresher's wowed the audience with their creativity, embodying the essence of popular OTT personalities.

The event lived up to its promise, offering a lively and engaging experience for all. AARAMBH 2024 proved to be a spectacular celebration, filled with music, laughter, and a shared love for entertainment.

Freshers embraced the theme wholeheartedly, making this year's event one of the most memorable in recent times. Miss PranjulDhankar was awarded as Miss. AARAMBH, and Saptarshi Pal as Mr. AARAMBH.

AARAMBH 2024 was truly a binge-worthy night, and the organizers expressed their gratitude to everyone who participated and made the event such a success!

Aarohan 2024–The Orientation Program

IMS News Service

Ghaziabad: In IMS Engineering College, MBA Orientation Program, Aarohan 2024 was conducted from 10th of September to 23rd of September. The First day of Orientation was started with an auspicious lamp-lighting ceremony, graced by Prof. (Dr.) Sahilesh Tiwari, Director of IMSEC, Mr. Shrish Mudgal, Regional Head of Business Standard, Dr.S.N Rajan, Dean Academics, Dr. Meenu Baliyan HOD MBA and Heads of various departments. The day was filled with excitement, learning, and fun as our new students immersed themselves in various engaging activities designed to spark creativity, teamwork, and leadership.

Seminar on Emerging Technologies through GATE and Preparation Strategies

Ghaziabad (IMS News Service): Seminar on 'Emerging Technologies through GATE and Preparation Strategies' was organized by Department of Computer Science and Engineering at IMS Engineering College, Ghaziabad. The resource person for the Seminar was Mr. Arjun Chhabra, Speaker, ACE online academy. The seminar focused on the valuable insights.

Insightful Discussion Series Organized

IMS News Service

Ghaziabad: IMS Research Department, IIC, and IQAC cell organized "Insights Exchange: Deliberations & Discussions" on NEP 2020 for faculty members on September 13, 2024. Led by Dr Ajay Kumar Patel, Dean Research and Dr Anindita, IQAC Chairperson. The session explored integrating NEP 2020's recommendations for a sustainable and inclusive education system. Director Dr. Prasoon M. Tripathi, PhD, GTML, Director IMS highlighted aligning teaching practices with NEP 2020. Special thanks was offered to Dr. Sushant Kumar Vishnoi and Dr. Priya Singh for their valuable contributions in making this platform a hub for meaningful conversations.

Poetry Competition on Hindi Diwas

IMS News Service

Ghaziabad: On the occasion of Hindi Diwas MCA Department organized a vibrant Poetry Competition as part of the Orientation Program for MCA First Year students. The event was inaugurated with a warm welcome address by Dr. Kavita Saxena, Head of the Department. The competition featured students passionately reciting poetry by renowned Hindi poets such as Ramdhari Singh Dinkar, Tulsidas, Maithilisharan Gupt, Harivansh Rai Bachchan, and Kumar Vishwas. The participants showcased their creativity and deep love for the Hindi language, bringing to life the richness and beauty of the language through their heartfelt performances.

The day was filled with powerful words, cultural pride, and memorable performances. The winners of the poetry recitation competition were: Anjali Tyagi (MCA I Year), Mohit (MCA I Year) and Akansh Chauhan (MBA I Year). The event was seamlessly conducted by Mr. Varun Chaudhary and his dedicated team. Director, Prof (Dr.) Shailesh Tiwari, extended his appreciation to the entire team for their sincere efforts in making the event a resounding success.

Orientation Program for B.tech 1st Year

IMS News Service

Ghaziabad: IMSEC, Ghaziabad, greeted its new batch of first-year students with immense enthusiasm during the Orientation Program. The event began with a traditional Lamp Lighting ceremony, led by our esteemed Director, Prof. (Dr.) Shailesh Tiwari, Chief Guest, Dr. Pramod Kumar Misra, Senior HR Advisor and former Senior VP of HR at Rodic Consultants Private Limited, along with Dr. S.N. Rajan, Dean Academics, Dr. Amit Sharma, Dean Students Welfare, Prof.(Dr.) Jyoti Sinha HOD of B.Tech First Year, and other respected department heads.

Prof.(Dr.) Shailesh Tiwari motivated the newcomers with an inspiring speech as they embarked on their academic journey, while Prof. (Dr.) Jyoti Sinha offered her blessings to the budding engineers and introduced her team. Adding to the grandeur of the event, our Chief Guest, Dr. Pramod Kumar Misra, shared valuable insights and guidance with the students. A heartfelt vote of thanks was bestowed by Prof.(Dr.) S.N. Rajan.

Inauguration- Aayaam 2k24 MCA Orientation Program

IMS News Service

Ghaziabad: The MCA Department organized the inauguration of the Aayaam 2k24 Orientation Program for the MCA 1st year batch 2024-2025.

There were informative sessions on academic resources, student services, campus life, and much more. Mr. Saurabh Agrawal, Head of Strategies and Growth at TCS, was the Chief Guest, who shared valuable advice and experiences with everyone. Director, Prof. (Dr.) Shailesh Tiwari in his inspiring address, welcomed the new students and emphasized the importance of holistic growth, innovation, and perseverance throughout their academic journey. He encouraged students to make the most of the opportunities provided by the institution and to strive for excellence in all aspects of life. Additionally, the Head of the Career Development Cell (CDC) shared insightful words about the various career prospects and professional guidance available to students. He urged everyone to actively engage with the CDC and leverage its resources to shape a bright future. More than 70 students attended the ceremony with full enthusiasm and interests

Interaction with Public Sector Officials - Bank of Baroda

IMS News Service

Ghaziabad: In IMS Engineering college, Department of MBA, students were honored through a wonder session by officials of Bank of Baroda. Mr. Vishal, Deputy Regional Head and AGM at Bank of Baroda guided students on career growth and future opportunities, not just in banking but beyond. The students were highly enthusiastic, asking various questions and seeking clarification on their doubts, which Mr. Vishal addressed thoughtfully while sharing key lessons from his personal experiences.

Expert Talk on Unlocking Motivation for Success at the Workplace

IMS News Service

Ghaziabad: The Institute of Management Studies (IMS) Ghaziabad successfully organized an insightful Expert Talk on "Unlocking Motivation for Success at the Workplace" for the PGDM Batch 2024-26.

The session was led by Mr. Arup Sinha, Former Executive Director (Regional Services), Northern Region, Indian Oil Corporation Limited.

The session provided students with a deep understanding of various techniques for fostering motivation in the workplace. Mr. Sinha highlighted the key drivers of motivation that lead to sustained workplace excellence and shared practical tips for staying motivated amidst organizational challenges.

The objectives of the session were achieved, as students gained valuable insights into maintaining high performance and overcoming challenges through effective motivation strategies.

This expert talk was an essential step in preparing students for the demands of their future careers, helping them develop the resilience and motivation needed to thrive in professional environments.

IMS Ghaziabad once again demonstrated its commitment to providing students with impactful learning experiences.

FDP on Advanced Time Series and Panel Data Analysis

IMS News Service

Ghaziabad: MBA Department of IMS Engineering College, Ghaziabad organized five days Faculty Development Programme (FDP) on the topic "Advanced Time series and Panel Data Analysis" from 2nd September to 06th Sep.-24. Department of MBA launched the Faculty Development Program with the motivating words from Prof. (Dr.) Sailesh Tiwari, Director of IMSEC, setting the stage for a day rich in knowledge. Dr. Satish Kumar, Dean at IIMT University, Meerut, guided us through a comprehensive exploration of time series and panel data—unpacking the fundamentals, key differences, and practical applications.

News Brief ...

Orientation Program of BT

Ghaziabad (IMS News Service): The orientation session at IMSEC, led by Dr. Ajay Kumar Sharma, Head of the Department, was focused on the critical role of the institute's and department's vision and mission in shaping the students' academic and professional journeys. Dr. Sharma provided an in-depth overview of Program Outcomes (POs), Program Educational Objectives (PEOs), and Program Specific Outcomes (PSOs), while also exploring diverse career opportunities and avenues for further studies. The final year coordinator of the department, Dr. Manish Pant and other faculty members actively participated, offering insights and motivating students to achieve excellence in their final year and beyond.

Signing of MOU with OmicsLogic Inc

Ghaziabad (IMS News Service): Department of Biotechnology, IMS EC signed a Memorandum of Understanding (MoU) with OmicsLogic Inc., USA & India on 17th September, 2024. This collaboration marks a significant step towards offering industry-driven research curricula and training programs in Big Data Bioinformatics and Data Science applications for Biotechnology, Biology, and Life Sciences. The MoU aims to bridge academia and industry, equipping students and researchers with advanced bioinformatics skills necessary for independent Big Data projects. With expertise in high-throughput omics data analysis, OmicsLogic's educational platform will empower students with tools and resources, integrating cutting-edge technologies like machine learning, AI, and cheminformatics.

Workshop on Artificial Intelligence

Ghaziabad (IMS News Service): Samsung and Times of India conducted a workshop on AI (Artificial Intelligence) at IMSEC Ghaziabad for first-year students. Keeping the current market conditions in mind, the workshop included a 30-minute Introduction to Design Thinking Workshop and 30-minute assessment to select the top 3 performers. The students got an opportunity to participate in the Samsung Design Thinking Assessment and won a Samsung E-voucher. All participating students received a participation certificate for being a part of a Samsung-conducted Design Thinking Workshop. A total of 98 students participated. The event coordinator was Dr. Balwant Singh under the guidance of Dr. Jyoti Sinha (HoD-AS&H).

Approval of GDG on Campus-IMSEC Chapter

Ghaziabad (IMS News Service): The Department of Computer Science at IMSEC got the approval of GDG on Campus - IMSEC Chapter. Through this chapter students will be able to access community management training programs and participate in google events. The group will be led by Akshat Trivedi assisted by Co- Lead Krishna Kant, final year students of CS department.

Faculty Development Program on Cryptography and Network Security

Ghaziabad (IMS News Service): The Department of Computer Science and Engineering, IMS EC organized a five days FDP on Cryptography and Network Security as Remote Centre of NITTTR, Chandigarh. The FDP was in association with NITTTR. The Director of IMSEC Dr. Shailesh Tiwari, welcomed all the faculty participants of IMSEC. Faculty Coordinator of the FDP was Ms Vandna Tomar, Assistant Professor, CSE Department.

आईएमएस का सीसीएसयू के 14 मेडल पर कब्जा

पेज-1 का शेष

की छात्रा शिवांगी सिंह भारद्वाज द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त कर यूनिवर्सिटी टॉप किया गया। सभी टॉपर्स को चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के 36 वें दीक्षांत समारोह में उनके इस कीर्तिमान के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की उपस्थिति में गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा यूनिवर्सिटी टॉपर्स एवं कैंपस टॉपर्स छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया ।

ज्ञात हो कि इस वर्ष संस्थान के लगभग सभी कोर्स से 14 छात्र -छात्राओं ने सर्वाधिक अंक प्राप्त

कर यूनिवर्सिटी टॉप किया, जिसमें से 5 ने स्वर्ण पदक, 4 ने रजत पदक एवं 5 ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

इसके अलावा संस्थान के सभी कोर्स के कैंपस टॉपर्स 59 छात्र- छात्राओं को भी संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें से 19 को स्वर्ण पदक, 19 को रजत पदक एवं 21 को कांस्य पदक प्रदान किया गया। छात्र-छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि की बधाई देते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदैव अपने काम को प्राथमिकता दो और हमेशा उत्साही रहो। उन्होंने कहा कि असफलताओं से से कभी नहीं घबराएं हमेशा उससे सीखें और फिर आगे बढ़ें।

स्वर्ण पदक से सम्मानित छात्र एवं छात्राएं	रजत पदक से किया सम्मानित	कांस्य पदक से किया सम्मानित
समारोह में दीपांशी त्यागी, नैना शर्मा, कीर्ति सैनी, सना, सक्षी गर्ग, मौली वैश्य, साक्षी, नंदनी सिन्हा, लक्ष्य वीरमानी, आस्था त्यागी, कामनी मिश्रा, लीजा शर्मा, वंशिका सिशोधिया, हिमांसी वार्ष्णेय, मांसी, स्नेहा सिंह, कृतिका भार्गव, खुशी चौधरी एवं शिवांगी सिंह भारद्वाज को स्वर्ण पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।	सोनल सतरंगी, कैफिया, अपेक्षा सैनी, साक्षी आनंद, अनुष्का त्यागी, सुनैना पटेल, टीना चौधरी, अपराजता, करुणा मनोथा, जया, जानवी शर्मा, दृष्टि सिन्हा, मयूरी सहाय, उन्नति अग्रवाल, सिद्धि मित्तल, अवनी जैन, सचिका भाटिया, अपूर्व रस्तोगी को रजत पदक एवं नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।	मुग्धा जुगरान, निक्षिप्ता राउत, चाहत कुमारी, अक्षिता शर्मा, रोशाली द्विवेदी, स्नेहा धीमान, प्राची श्रीवास्तव, टिंकल तेवतिया, वर्षिका भगत, दानिश विज, कुमारी श्वेता सिंह, तास्री गौतम, हर्षी त्यागी, आकृति सिंह, श्रुति सक्सेना, स्नेहा कुमारी, अभय कुमार शर्मा, राहुल राज, डैनियल एंड्र्यू ग्रोसियस, मुदिता त्रिपाठी एवं निकुंज चौहान को ब्रॉन्ज पदक देकर सम्मानित किया गया।

Value-Added Program Conducted

IMS News Service

Ghaziabad: The Department of Computer Science and Engineering at IMS Engineering College announced the launch of its highly anticipated 124-hour Python Web Developer Training Program, which officially commenced.

The inaugural event was attended by Director Sir Dr. Shailesh Tiwari, Head of the Computer Science Department Dr. Sonali Mathur, State Head ICT Academy Mr. Abhinandan Pandey, Relationship Manager ICT Academy Mr. Satyendra Narayan, faculty members, and trainers of great expertise. The Python Web Developer Training Program is designed to equip aspiring web developers with the latest skills and knowledge required to excel in the ever-evolving tech landscape. This comprehensive program aims to provide participants with hands-on experience in Python programming, and web development frameworks.

The Department of Computer Science and Engineering at IMSEC took immense pride to announce the commencement of the Training Program "Artificial Intelligence" by ICT Academy in collaboration with Honeywell. Prof. (Dr.) Shailesh Tiwari, Director IMS Engineering College, Ghaziabad welcomed the key dignitaries Mr Satyendra Narayan, Relationship Manager, ICT Academy. The inaugural session was attended by Prof. (Dr.) Sonali Mathur HoD(CSE), Dr. Prabhat Kr. Srivastava, Dr. Vaishali Bhargava, Mr. Nishant and Dr. Amit Chugh along with the Technical Trainers - Mr. Adil Yousouf and Mr. Sorabh of ICT Academy. The training has been thoughtfully curated to provide a comprehensive learning experience. Through a combination of theoretical sessions, hands-on training, and real-world applications, participants will gain valuable insights into Artificial Intelligence, its Techniques and methodologies. By the end of this program, participants will be equipped with the knowledge and confidence to apply these skills in their respective careers and fields.

BUDDY MENTORING

Ghaziabad (IMS News Service): This buddy mentoring session at IMS UC Campus was designed to introduce BCA 1st Year students to the practical applications of swarm robotics.

Ms. Vanshika Shishodia, BCA 3rd Year student, served as the mentor, sharing her knowledge and expertise on the subject. The session focused on discussing the diverse applications of swarm robotics in various industries and fields. Specific examples were presented to illustrate how swarm robotics technology is being used to address real-world challenges and improve efficiency. The advantages and benefits of utilizing swarm robotics solutions were highlighted, emphasizing their potential to revolutionize various sectors. Current trends and future advancements in the field of swarm robotics were discussed, providing students with a glimpse into the evolving landscape.

To reinforce learning and assess understanding, a quiz was conducted at the end of the session. The quiz consisted of questions related to the topics covered.

HOLA Juniors-2024: Senior-Junior Interaction

IMS News Service

Ghaziabad: The Department of Management at IMS Ghaziabad University Courses Campus hosted HOLA Juniors 2024 – Senior Junior Interaction", a special event designed to extend a warm and inclusive welcome to the BBA Batch 2024-27. This interactive event aimed to foster a sense of belongingness among the new students, helping them transition smoothly into their academic life while establishing themselves as part of the larger IMSUC family.

HOLA Juniors 2024 was a unique opportunity for the senior students to demonstrate leadership and community-building by hosting the event. It is expected that seniors bring their best energy, enthusiasm, and creativity to make this a memorable day for their juniors. The focus was on making the new students feel comfortable, welcomed, and integrated into the IMSUC culture, which values collaboration, respect, and mutual support.

The Hola Juniors 2024 event was organized to foster camaraderie between junior and senior management students through a vibrant showcase of talent. The event featured performances by both juniors and seniors, aiming to create an engaging atmosphere that encourages collaboration and peer interaction. The event was more than just a welcome; it is the first step in building strong peer relationships, fostering collaboration, and helping the juniors integrate into the academic and social fabric of IMSUC. The success of HOLA Juniors 2024 relies on the enthusiasm, dedication, and leadership of the senior students, ensuring that the event is not only enjoyable but also impactful for the new batch.
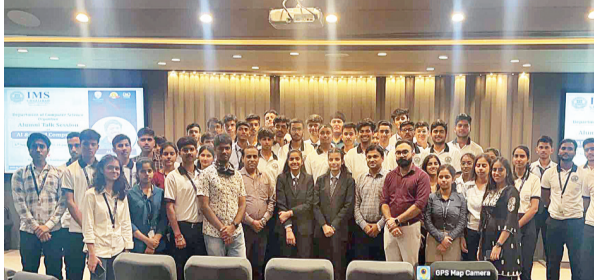

Alumni Talk Session

IMS News Service

Ghaziabad: The Department of Computer Science at IMS Ghaziabad hosted an International Alumni Session focused on "AI and Cloud computing" in the IT industry. The session featured Mr. Rohit Yadav, a distinguished alumnus from the 2018-2021 batch and currently a Microsoft consultant at Prometix in Australia.

The event aimed to provide students and faculty with insights and impactful lessons evolving global job market, especially in the IT sector, and to bridge the gap between academic knowledge and industry demands.

Mr. Rohit began the session by interacting with students and discussing the topic of Cloud computing. He emphasized on the increasing importance of cloud computing, and AI and related concepts. According to him, these areas are witnessing rapid growth, and professionals with expertise in these fields are in high demand.

Cloud computing is crucial as it offers scalable, on-demand access to computing resources, allowing businesses to reduce costs and improve efficiency. It enables seamless collaboration and data sharing, regardless of location, which is vital in today's remote work environment. Additionally, cloud services provide robust security measures and disaster recovery options, ensuring data integrity and availability. Overall, cloud computing drives innovation by allowing businesses to rapidly deploy new applications and services.

Beyond the Celebrations

The Worrisome Surge in Pollution After Diwali

Kushagra Garg

Diwali, the festival of lights, is synonymous with joy, unity, and vibrant celebrations across India. However, amidst the bright lights and festive spirit, a grim reality unfolds each year—an alarming surge in both air and noise pollution. The night sky, sparkling with fireworks, also becomes a source of harmful pollutants that degrade air quality in cities nationwide.

Over the past five years, Diwali has been marked by significant spike in pollution levels, with millions suffering from its effects. The post-Diwali period brings dangerous levels of air pollution, which has a direct impact on both human health and the environment.

The massive use of firecrackers during Diwali is the primary cause of this pollution surge. Firecracker emits harmful gases like sulfur dioxide, nitrogen oxides, and heavy metals, which contribute to the rapid deterioration of air quality but what it seems to be like that is not totally the fact even "stubble burning"(parali) also contributes to pollution in northern India. Stubble burning normally intensifies after during these months further compounding the problem. Major covering states are - Punjab, Haryana, Western UP

The winter season, which sets in after Diwali, further aggravates this problem. Cold air traps pollutants close to the ground, leading to dense smog and worsening air quality. Vehicular emissions and industrial pollution add to this already hazardous mix.

Recognizing the severe impact of Diwali on air quality, both state and national governments have implemented several measures. Since 2018, partial bans on firecrackers have been enforced, particularly in highly polluted areas like Delhi-NCR. The Supreme Court has also taken action by banning the sale of traditional firecrackers during 2020 and 2021, promoting "green" firecrackers. However, their higher cost and limited availability have slowed widespread adoption.

To monitor the situation, the Central Pollution Control Board has upgraded air quality monitoring stations nationwide. These stations provide real-time data that is crucial for issuing health advisories post-Diwali. In cities like Delhi, authorities have also implemented the odd-even vehicle scheme post-Diwali to reduce traffic emissions. Innovative solutions such as smog towers and anti-smog guns have been introduced, though their long-term effectiveness remains under evaluation. The pollution generated during Diwali has long-term consequences beyond immediate health risks. Heavy metals released from fireworks accumulate in the soil, contaminating ground and surface water, which can harm crops and aquatic life.

Air Quality in Major Indian Metropolises

The air quality in major Indian metropolises, including Delhi, Mumbai, Kolkata, Bengaluru, and Chennai, worsens drastically after Diwali each year. Particulate matter, especially PM2.5 and PM10, reaches levels that pose severe health risks, as these particles are small enough to penetrate deep into the lungs, causing respiratory and cardiac issues.

Delhi
- **Year 2018:** AQI ranged from 450-490 (severe).
- **Year 2019:** Topped 500+ (very hazardous), leading to a health emergency.
- **Year 2020:** Pandemic restrictions reduced pollution slightly, but AQI still hit 430.
- **Year 2021:** AQI reached 462, prompting government advisories against outdoor activities.
- **Year 2022:** AQI improved slightly to 382, thanks to reduced firecracker usage.

Mumbai
Mumbai has shown fluctuating trends, with 2020 being an outlier due to the pandemic (AQI of 180). However, post-Diwali 2022 saw pollution rise again, with an AQI of 284.

Kolkata
The city has maintained AQI levels in the 200-300 range, with a high of 315 in 2021 and an improvement to 280 in 2022, partly due to anti-firework campaigns.

Bengaluru and Chennai
These cities generally fare better than their northern counterparts, but still see a significant post-Diwali spike. Bengaluru's AQI fluctuates between 150-220, while Chennai's ranges similarly from moderate to poor.

BERLIN

Movie Name: BERLIN
Director: Atul Sabharwal
Producer: Umesh KR Bansal, Manav Shrivastav
Star Cast: Aparshakti Khurana, Ishawak Singh, Rahul Bose
Editor: Irene Dhar Malik
Language: Hindi
Shooting Location: India
Release Date: 13 September 2024

Director Atul Sabharwal brings a tale set in 1993's Delhi, that revolve around the specially abled Ashok Kumar (played by Ishawak Singh), who has been caught on the suspicious of being a spy for a foreign intelligence agency. The backdrop of the story is the Russian President's upcoming visit to India. His safety is comprised as someone wants to get their hand on plans about his movement. PushkinVerma (played by Aparshakti Khurana) who is an offensive school teacher has been brought in by intelligence official Jagdish Sondhi (played by Rahul Bose) to help in interrogating Ashok. All this quickly spirals out of control as things are not what they seem. This movie is full of suspense and drama. The movie basically is all about the investigation, suspect Ashok was mute and deaf, the way he explains all the things by his hand movement was fabulous and the name of the movie Berlin was based on a name of a bar where all the secret activities against the countries are planned through the actions. According to the movie review this movie has become the best spy movie in the India because it is not based on India and Pakistan, it is a something new in the film industry.

Creative Corner

THE QUIET HUM OF HOME

In the dim-lit walls of my room,
That are now more souls than bricks,
whisper in soft murmurs,
Telling stories of what they've heard all day.
Voices overlapping,
A sweet symphony that wraps around me like a blanket,
Keeping me warm in the quiet hours of the night.

Mugdha Jugran

They speak of songs and secrets,
Of quiet laughter, and dreams left unspoken.
Their bricks thrum softly,
As if a heartbeat pulses beneath their surface,
Steady, familiar, like an old friend.

I let them talk,
Filling the stillness with a rhythm that feels so alive.
The walls seem to know me,
They hum with the things I've never said,
As if they've heard every thought that crossed my mind.

But as I close my eyes,
I realize it's not just the walls,
It's me—
I am the music, the heartbeat, the stories that breathe life into this space.
And in this gentle realization,
There's a comfort that lingers—
That I am never truly alone.
In the quiet hum of my room,
I am home.

Sportify

Saurya

'Exceptional Achievement': Cristiano Ronaldo Reaches 900th Career Goal

Ronaldo nets the decisive goal in the UEFA Nations League win against Croatia.

Cristiano Ronaldo reached the milestone of scoring 900 goals in his successful career when Portugal defeated Croatia 2-1 in the UEFA Nations League.

Ronaldo scored in the 34th minute at the Estadio da Luz in Lisbon to give Portugal a 2-0 lead following Diogo Dalot's opening goal in the seventh minute. This marks a new achievement in an extraordinary career for Ronaldo, who currently competes for Riyadh powerhouse Al Nassr in Saudi Arabia. No other player has ever reached 900 goals in history. It marked his 131st goal in his international career, setting a record.

It's All to Play for in the Upcoming United States Grand Prix

Things are heating up between the reigning world champion Max Verstappen and future WDC contender Lando Norris as the gap now narrows down to 52 points.

The eagerly awaited Formula 1 United States Grand Prix will be held at the Circuit of the Americas in Austin, Texas. As the 2024 season approaches its end, the competition for championship points heats up. Max Verstappen, who is currently leading the standings, wants to widen his advantage, while Lando Norris and other competitors seek to reduce the difference Fans can anticipate fast-paced action, well-planned pit stops, and the unexpected obstacles that the Austin circuit is famous for, bringing added thrill to the championship race.

India Thrashed Bangladesh by 280 Runs to go 1-0 up in the Series

India defeated Bangladesh by 280 runs in the 1st test match of 2 match test series at Chepauk, Chennai.

India defeated Bangladesh in the first test of a two-match series on Sunday, September 22, within four days, winning by 280 runs and continuing their unbeaten record against the Bangladeshi team. The Test set various international records, with bowler all-rounder Ravichandran Ashwin leading the way. India's 179th Test victory in 580 matches signifies a historic milestone in their 92-year Test cricket history, as they have now achieved more wins (178) than losses with a win-loss ratio above 1 for the first time. India have participated in 222 drawn Tests and had one Test end in a tie as well. India has now joined the ranks of Australia, Afghanistan, England, Pakistan, West Indies, and South Africa as the seventh team to accomplish this impressive milestone.

Pro Kabaddi League 2024 to Kick Off on October 18, Promising Intense and Exhilarating Action

The Pro Kabaddi League's 2024 season will begin on October 18, 2024, offering exciting entertainment for kabaddi enthusiasts throughout India. This season is anticipated to be extremely competitive with Jaipur Pink Panthers, Bengal Warriors, and Patna Pirates getting ready for the upcoming battles. Star players and defenders will aim to demonstrate their abilities as teams compete for the highly sought-after title. Fans can anticipate thrilling contests, dynamic raids, and exciting finishes as the Pro Kabaddi League comes back with its trademark high-energy action.

बचपन

आर्या कुमारी

बचपन एक खूबसूरत एहसास,
दुबारा वहाँ जाने की आस।
इस पर लिखा था कुछ खास,
आओ चलें हम बचपन में,
उन यादों के दर्पण में।
चलो चलें उन गलियों में,
उन स्लेटों की पंक्तियों में,
जहाँ लिखा था हमने
बड़े-बड़े अक्षरों को नन्हे-नन्हे हाथों से।
खेल-खेल में सीखा था,
वर्णमाला के अक्षरों को,
पहचाना था गलियों को,
उन राहों की गमझियों को।
पंछी बन महर्ष्या किया था,
आसमान की गलियों को।
उड़ना सीखा था, हमने बिना किसी जंजीरों के,
खेला था हमने अपनी-अपनी गलियों में,
उन नहरों की लहरों में।
चलो चलें उन गलियों में।

इतिहास के कदम

आभांशु द्विवेदी

वैदिक काल में सशक्त थी नारी

आज से 1350 ईसा पूर्व ऋग्वेदिक काल में गार्गी, मैत्रेयी, घोषा, गोधा, विश्ववारा, अपाला, अदिति, इंद्राणी, लोपमुद्रा, सार्पराज्ञि, वाक्का, श्रद्धा, मेधा, सूर्या, व सावित्री जैसी अनेक मन्त्रद्रष्टा विदुषियों का उल्लेख मिलता है। इन नारियों में कई वैदिक सूक्तों की रचना की व उनका सरलीकरण करने का कार्य किया। इस काल खंड में महिलाओं को पुरुषों के समान ही अधिकार मिले हुए थे।

वैदिक काल में ये साफ वर्णित है कि बालकों के समान बालिकाओं का भी उपनयन संस्कार होता था और वे भी गुरुकुल में ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए ज्ञान अर्जन करतीं थीं। परन्तु आज महिलाओं को अपने ही अधिकारों के लिए समाज से लड़ना पड़ता है। पुरुष प्रधान समाज आज भी महिलाओं को उनका अधिकार देना दया का कार्य समझता है और इसीलिए आज महिलाओं की समाज में दयनीय स्थिति है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के पुरुषों से बराबरी करने में अभी भी 40 वर्ष और लगेंगे।

वैदिक काल में क्षत्रिय स्त्रियों धनुर्विद्या व युद्ध कौशल का ज्ञान लेती थीं। वेद अध्ययन के अतिरिक्त इन्हें गीत-संगीत, नृत्य, चित्रकला, शिल्प व शस्त्र विद्या आदि कुल चौसठ कलाओं की शिक्षा दी जाती थी। हारीत संहिता के अनुसार, उस काल में स्त्री शिक्षा के दो रूप थे एक साधोवधू अर्थात विवाह होने से पूर्व ज्ञान प्राप्त कराने वाली और दूसरी ब्रह्मवादिनी अर्थात् आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा प्राप्त कराने वाली शिक्षा पद्धति। 'शतपथ ब्राह्मण' में भी यह उल्लिखित है कि श्री राम के गुरुकुल में संगीत व पर्यावरण का ज्ञान गुरु वशिष्ठ की पत्नी अरुंधती ही देतीं थीं। ये सारे तथ्य बताते हैं कि आज महिलाएं जिन अधिकारों के लिए समाज से लड़ रहीं हैं, वे उनके ही हैं और इसे समाज को स्वीकारना चाहिए।

वैदिक काल के स्थापत्य व शिल्पज्ञान की अद्भुतता

वैदिक सभ्यता अपने वेदों, ज्ञान-विज्ञान के लिए तो जानी ही जाती हैं परंतु स्थापत्य भी इस काल का सबसे अलौकिक ज्ञान है। स्थापत्य वेद महर्षि वेद विज्ञान एवं तकनीकी के बहुमूल्य विषयों में से एक है। महर्षि ने इस ज्ञान को इस प्रकार स्थापित किया है कि मनुष्य खुद को किस प्रकार स्थापित करे कि वो स्वयं को सदैव प्राकृतिक विधानों के उच्चगामी सिद्धांतों के अनुरूप जीवन रखे। सदैव पूर्ण स्वास्थ्य प्रसन्नता एवं सफलता का आनंद उठाएं। इसके उदाहरण उत्तर भारत के ऐतिहासिक मंदिरों और भवनों तथा मुख्य रूप से दक्षिण भारत के मंदिरों में देखे जा सकते हैं जैसे खजुराहो, एलोरा, रामेश्वरम, मीनाक्षी आदि। शिल्पज्ञान के सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रन्थ हैं भृगु शिल्पसंहिता। किले, महल, स्तम्भ, भवन, पुल, मंदिर, गुरुकुल, मठ आदि बनाने की विधि बताने वाले आठ संस्कृत ग्रन्थ हैं- मयमत, कश्यप, सारस्वत्, युक्ति कल्पतरू, नारद शिल्पसंहित, विश्वकर्मा विद्याप्रकाश इत्यादि जिन्हें पढ़ने से शिल्पज्ञान विकसित किया जा सकता है।